

This question paper contains 8 printed pages]

5682

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

SOCIOLOGY

Paper II

(Perspectives on Indian Society)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 20]

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 50]

Answer five questions (250 words each),

selecting one question from each Unit.

All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Part A (खण्ड 'अ')

1. Answer the following questions :

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Unit I (इकाई I)

(i) Cultural diversity.

सांस्कृतिक विभिन्नता।

(ii) Traditional bases of Indian society.

भारतीय समाज के परम्परागत आधार।

Unit II (इकाई II)

(iii) What do you understand by the society in Ancient India ?

प्राचीन भारतीय समाज से आप क्या समझते हैं ?

(iv) Define Community.

समुदाय को परिभाषित कीजिए।

Unit III (इकाई III)

(v) Mention *two* basic characteristics of marriage.

विवाह की दो मौलिक विशेषताएँ बताइये।

(vi) Define caste system.

जाति व्यवस्था को परिभाषित कीजिए।

Unit IV (इकाई IV)

(vii) Who has adopted structural-functionalism perspective in Indian Sociology ?

भारतीय समाजशास्त्र में संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम को किसने अपनाया ?

(viii) Name *two* books of G. S. Ghurye.

जी. एस. घुरिये द्वारा लिखित दो पुस्तकों के नाम दीजिए।

Unit V (इकाई V)

(ix) Who is famous for subaltern perspective ?

दलित परिप्रेक्ष्य के लिए कौन प्रसिद्ध है ?

(x) Define Nation Building.

राष्ट्र निर्माण को परिभाषित कीजिए।

Part B (खण्ड 'ब')

Unit I (इकाई I)

2. Describe briefly Unity in Diversity in Indian Society.

भारतीय समाज में विविधता में एकता का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Or (अथवा)

3. Examine the causes for religious disharmony in India.

भारत में धार्मिक असमानता के कारणों का परीक्षण कीजिए।

Unit II (इकाई II)

4. Discuss the impact of Islam on Indian society.

भारतीय समाज पर इस्लाम के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

Or (अथवा)

5. Write down a brief essay on Indian society.

भारतीय समाज पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

Unit III (इकाई III)

6. Bring out Irawati Karve's views on joint family.

इरावती कर्वे के संयुक्त परिवार संबंधी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

Or (अथवा)

7. Describe caste as a structural and cultural phenomenon.

जाति का संरचनात्मक और सांस्कृतिक प्रघटना के रूप में वर्णन कीजिए।

Unit IV (इकाई IV)

8. Write on D. P. Mukherjee's Marxian understanding of Indian society.

भारतीय समाज को समझने के लिए डी. पी. मुकर्जी द्वारा अपनाये गये मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य पर लिखिए।

Or (अथवा)

9. Discuss briefly G. S. Ghurye's views on caste in Indian society.

भारतीय समाज में जाति से संबंधित जी. एस. घुरिये के विचारों की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

Unit V (इकाई V)

10. Write a brief note on Indigenisation of Sociology.

समाजशास्त्र के भारतीयकरण पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

Or (अथवा)

11. Describe the effects of secularism on national unity.

राष्ट्रीय एकता पर धर्मनिरपेक्षता के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

Part C (खण्ड 'स')

Unit I (इकाई I)

12. Define unity. What are the forces of unity in modern India ? Explain.

एकता को परिभाषित कीजिए। आधुनिक भारत में एकता को बढ़ाने वाली शक्तियाँ क्या हैं ? समझाइये।

Unit II (इकाई II)

13. Write an essay on the Vedic civilisation.

वैदिक सभ्यता पर एक निबन्ध लिखिये।

Unit III (इकाई III)

14. Write an analytical note on anthropological-cultural perspective of caste.

जाति के मानवशास्त्रीय-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य पर एक विश्लेषणात्मक लेख लिखिए।

Unit IV (इकाई IV)

15. Discuss briefly S. C. Dube's structural-functional perspective. How does it differ from M. N. Srinivas's view ?

एस. सी. दुबे के अनुसार संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। एम. एन. श्रीनिवास के दृष्टिकोण से यह किस प्रकार भिन्न है ?

Unit V (इकाई V)

16. Distinguish between the subaltern perspective propounded by B. R. Ambedkar and David Hardiman.

बी. आर. अम्बेडकर और डेविड हार्डिमैन द्वारा प्रतिपादित दलितवादी परिप्रेक्ष्य के बीच अन्तर कीजिए।